हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 | अंक : 289 : | जौनपुर, शुक्रवार 21 जुलाई 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

मणिपुर की घटना शर्मिंदा करने वाली है, मेरा दिल पीड़ा और क्रोध से भरा हुआ है : पीएम मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। संसद का मानसून सत्र गुरुवार से शुरू हो रहा है। संसद के मानसून सत्र से पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार मणिपुर हिंसा पर बयान दिया है। पीएम मोदी ने मणिपुर में कुछ पुरुषों द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने की घटना की निंदा की। पीएम मोदी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा हमारी सरकार की प्राथमिकता है और इस तरह की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने मुझे झकझोर कर रख दिया है, मेरा दिल पीड़ा और क्रोध से भरा हुआ है। इस घटना ने देश को शर्मिंदा कर दिया है। गुनाह करने वाले कितने और कौन हैं, वो अपनी जगह पर हैं पर बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। मैं सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूं कि वो अपने राज्यों में कानून व्यवस्थाओं को और मजबूत करें। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं

कि किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा। कानून अपनी पूरी शक्ति से और सख्ती से एक के बाद एक कदम उठाएगा। मणिपुर की इन बेटियों के साथ जो हुआ है इसको कभी माफ नहीं किया जाएगा। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि संसद में जो बिल लाए जा रहे हैं वो जनता की भलाई के लिए हैं। बता दें कि इस सत्र में कई बिलों को पेश किया जाएगा, ऐसा माना जा रहा है कि संसद का पहला मानसून सत्र हंगामेदार रहने वाला है।

मणिपुर हिंसा पर संसद ठप, नियम 267 के तहत चर्चा पर अड़ा विपक्ष

एजेन्सी

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा में बृहस्पतिवार को कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाते हुए हंगामा किया। सदस्यों के शोर शराबे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पायी। इसे दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। सरकार ने निचले सदन में कहा कि वह मणिपुर के मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष द्वारा तय किसी भी तारीख पर चर्चा कराने को तैयार है, जिसका विस्तृत जवाब गृह मंत्री अमित शाह देंगे।राज्यसभा में सभापति ने बताया कि विभिन्न मुद्दों पर अल्पकालिक चर्चा के लिए नियम 176 के तहत उन्हें 12 नोटिस मिले हैं और इनमें से 8 नोटिस मणिपुर हिंसा से संबंधित हैं। सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने इस दौरान हंगामा आरंभ कर दिया और नियम 176 के तहत चर्चा कराए जाने पर आपत्ति जताई। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि सदस्यों ने नियम 267 के तहत भी इस मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए नोटिस दिए हैं। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के सदस्यों ने नियम 267 के तहत नोटिस दिए हैं, जिसमें सारे कामकाज स्थगित कर चर्चा कराने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री (नरेन्द्र

मोदी) को सदन में आना चाहिए और इस मुद्दे पर बयान देना चाहिए और फिर चर्चा की जानी चाहिए। इस पर सभापति ने कहा कि कार्यसूची में नियम 267 के तहत मिले नोटिस अगले विषय हैं।

बिहार में कई दल अभी भी बुलावे के इंतजार में, बनेगा अलग फ्रंट

एजेन्सी

पटना। बिहार में महागठबंधन और एनडीए अपना कुनबा बढ़ाने में लगे हैं। लेकिन, प्रदेश में कम से कम ऐसे चार सक्रिय राजनीतिक दल हैं जो अभी भी श्बुलावेश के इंतजार में हैं। इनमें से कुछ ने अपने विकल्प भी खुले रखे हैं। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को एनडीए की बैठक हुई, जिसमें बिहार के राष्ट्रीय लोक जनता दल (रालोजद), लोजपा (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), राष्ट्रीय लोजपा के नेताओं ने शिरकत की। इसके अलावा बिहार में सत्ताधारी महागठबंधन में छह दल शामिल हैं। ऐसे में पूर्व सांसद पप्पू यादव की जन अधिकार पार्टी, पूर्व मंत्री मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), बसपा और एआईएमआईएम को अभी भी बुलावे का इंतजार है। इस बीच जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद पप्पू यादव ने कहा कि बार–बार आग्रह करने के बावजूद अभी तक महागठबंधन में जाप को शामिल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इसके लिए कई नेताओं से बात भी की। पप्पू यादव ने महागठबंधन को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि कांग्रेस को तय करना होगा कि मैं महागठबंधन का हिस्सा हूं या नहीं। अगस्त तक मुझे महागठबंधन में शामिल नहीं किया गया, तो अकेले 3 से 5 सीटों पर चुनाव लडूंगा। इधर, एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने ऐलान किया कि आगामी चुनाव में उनकी पार्टी बिहार में तीसरा मोर्चा बनाएगी। उन्होंने बताया कि समान विचारधारा वाली पार्टियों को इसमें शामिल किया जाएगा। इमान ने आगे बढ़कर यहां तक कहा कि असदुद्दीन ओवैसी भाजपा के मुखर विरोधी हैं, इसके बावजूद उन्हें भाजपा विरोधी महागठबंधन में शामिल नहीं किया गया। ऐसे में उनके पास अब तीसरा मोर्चा बनाने का विकल्प ही रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी और बसपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसमें एआईएमआईएम के पांच प्रत्याशी जीते थे। इधर, वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

ग्वालियर बन रहा है सियासी संग्राम का मैदान

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ग्वालियर सियासी संग्राम का मैदान बन रहा है। इसकी वजह है इस इलाके का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का गढ़ होना। कांग्रेस के राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर के नेताओं में इस बात का मलाल अब भी है कि राज्य में कांग्रेस की सरकार ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थकों की बगावत के कारण गई थी। यही कारण है कि कांग्रेस के तमाम बड़े नेता साढेघ तीन साल से सिंधिया पर सीधे निशाना साधे हुए हैं। वहीं, ग्वालियर–चंबल इलाके में उनका दखल बना हुआ है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी 21 जुलाई को ग्वालियर प्रवास पर आ रही हैं। इस दौरान उनकी बड़ी आम सभा होने वाली है।

लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित, सरकार ने कहा, मणिपुर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। लोकसभा में बृहस्पतिवार को कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाते हुए हंगामा किया। सदस्यों के शोर शराबे के कारण सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। सरकार ने निचले सदन में कहा कि वह मणिपुर के मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष द्वारा तय किसी भी तारीख पर चर्चा कराने को तैयार है जिसका विस्तृत जवाब गृह मंत्री अमित शाह देंगे। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा की बैठक शुरू हुई तो सदन के दो मौजूदा और 11 पूर्व दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के बाद पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 10 मिनट पर कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। अपराह्न दो बजे बैठक शुरू हुई तो पीठासीन सभापति किरीट सोलंकी ने आवश्यक कागज सदन के पटल पर रखवाए। इस दौरान कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों के सदस्य मणिपुर की हिंसा का मुद्दा उठाने लगे। कुछ सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी भी कर रहे थे।संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि विपक्ष मणिपुर पर चर्चा की मांग कर रहा है और सरकार इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हमने, सदन के उपनेता राजनाथ सिंह जी ने स्पष्ट कर दिया है कि हम संसद के दोनों सदन में इस विषय पर चर्चा कराने को तैयार हैं। मणिपुर का विषय संवदेनशील है। इस पर चर्चा का विस्तृत उत्तर गृह मंत्री (अमित शाह) देंगे। जोशी ने विपक्षी सदस्यों से आग्रह किया कि लोकसभा अध्यक्ष चर्चा के लिए जो तारीख तय करेंगे, सरकार चर्चा कराएगी, लेकिन वे सदन में सुचारू रूप से कामकाज चलने दें। विपक्षी सदस्यों का हंगामा नहीं थमने पर पीठासीन सभापति सोलंकी ने दोपहर दो बजकर पांच मिनट पर बैठक को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया। इससे पहले आज सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने पर पंजाब की जालंधर सीट पर हुए उपचुनाव में निर्वाचित आम आदमी पार्टी के सुशील कुमार रिंकू ने सांसद के रूप में शपथ ली। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन के दो मौजूदा सदस्यों रतन लाल कटारिया और सुरेश नारायण धनोरकर के निधन की जानकारी दी। लोकसभा अध्यक्ष ने पूर्व सदस्यों प्रकाश सिंह बादल, रंजीत सिंह, सुजान सिंह बुंदेला, संदीपन थोराट, डा. विश्वनाथन कानिथी, अतीक अहमद, त्रिलोचन कानूनगो, इलियास आजमी, अनादि चरण दास, निहाल सिंह और राजकरण सिंह के निधन का भी जिक्र किया। दिवंगत सदस्यों को सदन में कुछ पल मौन रहकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी । मानसून सत्र का आज पहला दिन है। इस सत्र का समापन 11 अगस्त को प्रस्तावित है। इस दौरान संसद के दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें होनी हैं।

रायगढ़ पहाड़ी पर भूस्खलन से चार की मौत, कई लोग फंसे

एजेन्सी

रायगढ़। महाराष्ट्र के रायगढ़ के इरशालवाड़ी में एक पहाड़ी का एक हिस्सा गांव पर गिर गया, इससे कम से कम चार आदिवासियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य फंस गए। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रायगढ़ के संरक्षक मंत्री उदय सामंत ने कहा कि अब तक कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि 25 को बचा लिया गया है।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, गांव में लगभग 30 परिवार रहते है, लेकिन हताहतों, मौतों या अभी भी फंसे हुए लोगों की सटीक संख्या ज्ञात नहीं है। रायगढ़ जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू कर दिया है, जबकि क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज सुबह स्थिति की समीक्षा की। सामंत ने कहा, घटना बुधवार रात करीब ढाई बजे हुई और तब से राहत एवं बचाव कार्य जारी है। नवी मुंबई नगर निगम और पनवेल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। यह छोटा सा गांव मुंबई से लगभग 100 किलोमीटर दूर माथेरान के वाहन–मुक्त हिल–स्टेशन से दूर, इरशालगढ़ किले के पास स्थित है। सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक बार फिर जेल से 30 दिन की पैरोल मिल गयी है।

स्मृति ईरानी ने मणिपुर में 2 युवतियों को नग्न घुमाने वाले वीडियो को सरासर अमानवीय बताया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को मणिपुर में दो युवतियों को नग्न घुमाने वाले भयावह वीडियो को सरासर अमानवीय करार दिया।

उन्होंने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से भी बात की और कहा कि उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया है कि अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए कोई भी प्रयास नहीं किया जाएगा। उनकी टिप्पणी उस भयावह वीडियो के बाद आई है, जिसमें मणिपुर में भीड़ द्वारा दो युवतियों को सड़क पर नग्न घुमाते हुए दिखाया गया था, जिसे सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था, जिसकी व्यापक निंदा हुई और सख्त कार्रवाई की मांग की गई। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने दावा किया

कि 4 मई को दोनों महिलाओं को नग्न अवस्था में घुमाने के बाद धान के खेत में उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। ईरानी ने एक ट्वीट में कहा, मणिपुर से 2 युवतियों के यौन उत्पीड़न का भयावह वीडियो निंदनीय और पूरी तरह से अमानवीय है।

सीएम एन. बीरेन सिंह से बात की, जिन्होंने मुझे सूचित किया है कि जांच अभी चल रही है और आश्ध्वासन दिया है कि अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए कोई भी प्रयास नहीं छोड़ा जाएगा। इस बीच, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी चुप्पी से मणिपुर में अराजकता फैल गई है। कांग्रेस ने कहा है कि वह गुरुवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाएगी।

प्रधानमंत्री के पास विदेश यात्रा पर जाने का वक्त है लेकिन मणिपुर जाने का नहीं : आतिशी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनकी परेड कराने की घटना को बृहस्पतिवार को 'भयावह बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके पास विदेश यात्रा पर जाने का तो वक्त है लेकिन संघर्ष प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य जाने के लिए उनके पास समय नहीं है। चार मई को हुई घटना का वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में तनाव बढ़ गया है। मणिपुर में तीन मई से बहुसंख्यक मेइती समुदाय और आदिवासी कुकी के बीच संघर्ष चल रहा है।मेइती समुदाय का प्रभुत्व इंफाल घाटी में है जबकि आदिवासी कुकी समुदाय की पहाड़ी क्षेत्रों में अधिक संख्या है। दंगों में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मोदी ने दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने की घटना पर क्षोभ व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इस घटना ने 140 करोड़ लोगों को शर्मसार किया है और क्रूर घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले, मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने देशवासियों को विश्वास दिलाया कि इस मामले में कानून सख्ती से एक के बाद एक कदम उठाएगा।एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दिल्ली की महिला एवं बाल विकास मंत्री आतिशी ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के पास मणिपुर जाने का समय नहीं था। उन्होंने 19 मई को जापान, 21 मई को पापुआ गिनी, 22 मई को ऑस्ट्रेलिया, 20 जून को अमेरिका और फिर फ्रांस और यूएई का दौरा किया। लेकिन वह मणिपुर नहीं गये। यहां तक कि मणिपुर से आया एक प्रतिनिधिमंडल भी उनका इंतजार करता रहा लेकिन वह उनसे नहीं मिले।"उन्होंने कहा, " ये वीडियो न सिर्फ भयानक है, बल्कि दिल दहला देने वाला है। महिलाओं के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उसे पूरे देश ने देखा। यह जानवरों के साथ किये जाने वाले व्यवहार से भी बदतर था। लेकिन भाजपा हिंसा के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।" 'आपश नेता ने दावा किया कि एक महिला ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उसकी परेड कराई गई और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, लेकिन वहां मौजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

मणिपुर की घटना पर स्मृति ईरानी का रवैया अक्षम्य : जयराम

एजेन्सी

नयी दिल्ली। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से बात करने को इंतजार करने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी की आलोचना करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि यह बिल्कुल अक्षम्य है। रमेश की टिप्पणी उस घटना के संदर्भ में आई, जो 4 मई को मणिपुर में व्यापक जातीय हिंसा भड़कने के ठीक एक दिन बाद हुई थी, जहां भीड़ द्वारा दो महिलाओं को सार्वजनिक रूप से नग्न घुमाया गया था और स्वदेशी जनजातीय नेता मंच (आईटीएलएफ) के अनुसार, उनके साथ सामूहिक बलात्कार भी किया गया। हाल ही में सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल हुआ है। रमेश ने ट्विटर पर कहा, मणिपुर में बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा भड़के 78 दिन और उस भयानक घटना के 77 दिन हो गए, जहां दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाया गया और कथित तौर पर बलात्कार किया गया। मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किए भी 63 दिन बीत गए। उन्होंने लिखा, क्या केंद्र सरकार, गृह मंत्री या प्रधान मंत्री को इसकी जानकारी नहीं है? मोदी सरकार सब कुछ ठीक है की तरह व्यवहार करना कब बंद करेगी? मणिपुर के सीएम को कब बदला जाएगा? ऐसी कितनी घटनाएं दबा दी गई हैं? मानसून सत्र आज से शुरू, भारत जवाब मांगेगा। चुप्पी तोडिये प्रधानमंत्री जी। बुधवार रात ईरानी ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे सर्वथा अमानवीय बताया। एक ट्वीट में, केंद्रीय मंत्री ने कहा मणिपुर से दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न का भयावह वीडियो निंदनीय और पूरी तरह से अमानवीय है। सीएम एन. बीरेन सिंह से बात की, जिन्होंने मुझे सूचित किया है कि जांच चल रही है और आश्वासन दिया है।

कोर्ट ने विनेश, बजरंग को एशियाई खेलों में ट्रायल से छूट को चुनौती देने वाली याचिका पर मांगा जवाब

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने वीरवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्लयूएफआई) का संचालन करने वाली तदर्थ समिति से पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया को एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट देने का आधार बताने को कहा। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने फोगाट और पुनिया को सीधे प्रवेश के खिलाफ अंडर–20 विश्व चौंपियन अंतिम पंघाल और अंडर–23 एशियाई चौंपियन सुजीत कलकल की याचिका पर सुनवाई करते हुए खेल निकाय को दिन के दौरान अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा। न्यायाधीश ने मामले को शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हुए कहा,

"अगर यह (चयन का आधार) उचित और निष्पक्ष तरीका है, तो मामला यहीं खत्म हो जाता है। अदालत ने यह भी कहा कि चयनित खिलाड़ियों द्वारा जीते गए दो पुरस्कार भी पेश किए जाएं। सुनवाई के दौरान अदालत ने तदर्थ डब्ल्यूएफआई समिति की ओर से पेश हुए वकील को यह बताने को कहा कि फोगाट और पुनिया के अच्छे खिलाड़ी होने के अलावा चयन का आधार क्या था क्योंकि खिलाड़ियों का "पूरा मामला यही है कि "कोई ट्रायल जरूर होना चाहिए। अदालत ने कहा, "याचिकाकर्ताओं ने दोनों पहलवानों की योग्यता पर संदेह नहीं जताया जिन्हें आपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयन किया है... लेकिन वे यह कह रहे हैं कि पूर्व का प्रदर्शन उनके चयन का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। अदालत ने कहा, "वे अच्छे खिलाड़ी हैं, इस तथ्य के अलावा उनके चयन का आधार क्या है? क्या आपने किसी चयन प्रक्रिया का पालन किया है? केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत को सूचित किया कि चयन नीति स्वयं कुछ निश्चित श्रेणी के खिलाड़ियों को छूट प्रदान करती है। डब्ल्यूएफआई के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी भारवर्ग श्रेणी में चयन ट्रायल आवश्यक है। हालांकि चयन समिति को मुख्य कोचधविदेशी विशेषज्ञ की अनुशंसा के आधार पर बिना ट्रायल के ओलंपिकधविश्व चौंपियनशिप के पदक विजेताओं जैसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों का चयन करने का विवेकाधिकार होगा। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि फोगाट और पुनिया का चयन छूट नीति के अनुरूप नहीं था।

सम्पादकीय

‘इंडिया’ की गुगली

मंगलवार के दिन भारतीय राजनीतिक परिदृश्य दिल्ली में एनडीए के 38 और बंगलुरू में विपक्ष के 26 दलों के सम्मेलनों से रोचक बन गया। कार्यक्रम के साथ मीडिया में भी खबरें समांतर चली। कहना कठिन है कि यह संयोग था या खबरों की दुनिया के लिये सुनियोजित प्रयास। बहरहाल, राजग ने संदेश दिया कि उसका ढांचा लोकतांत्रिक है और उसके बिछुड़े दल वापस लौट रहे हैं। बहरहाल, ये सम्मेलन दलों के संख्याबल का मुकाबला तो बन ही गया। एक बात तो तय है कि राजग से अलग हुए नीतीश कुमार के प्रयासों से पटना से शुरू हुआ विपक्षी एकता का अभियान अब सिरे चढ़ते नजर आ रहा है। कयास तो पहले ही लग रहे थे कि जब आम चुनाव में कुछ ही महीने बाकी हैं तो दो बार से बड़े बहुमत से मजबूत सरकार बना रहे राजग को चुनौती देने की विपक्षी कोशिश जरूर होगी। बहरहाल, पटना से बंगलुरू तक की यात्रा में विपक्षी एकजुटता में इतनी तरक्की तो हुई है कि गठबंधन को ‘इंडिया’ नाम मिल गया है। यानी विस्तार में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव एलायंस नाम दिया है। जाहिर है विपक्षी थिंक टैंक ने एक गुगली राजग की तरफ उछाली है और ‘इंडिया’ शब्द का मनोवैज्ञानिक लाभ उठाने की कोशिश की है। हालांकि, विपक्षी एकता के सूत्रधार नीतीश कुमार गठबंधन के नाम में ‘भारत’ शब्द जोड़ने की वकालत कर रहे थे। इसी दिन दिल्ली में मोदी सरकार की दूसरी पारी में राजग की पहली बैठक का आयोजन और उसमें नये छोटे दलों का शामिल किया जाना बताता है कि विपक्षी एकजुटता को राजग हल्के में नहीं ले रहा है। एक बात तो तय है कि लोकसभा चुनाव तक राजग व साझा विपक्ष में मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है। जाहिरा तौर पर, बंगलुरू में विपक्षी दलों ने राजग पर आक्रमण के लिये उन मुद्दों को प्राथमिकता दी, जिन पर वे मोदी सरकार को घेरते रहे हैं। खासकर सांप्रदायिकता, महंगाई, लोकतंत्र की आधारभूत संस्थाओं की स्वायत्तता, बेरोजगारी और मणिपुर के मुद्दे पर राजग को घेरने की कोशिश हुई। जाहिर है लोकसभा चुनाव में ये मुद्दे विपक्ष के हथियार होने वाले हैं। बहुत संभव है कि आगामी मानसून सत्र में विपक्षी एकजुटता का असर संसद में भी नजर आए। हालांकि, राजग नेतृत्व दिखाने का प्रयास कर रहा है कि वे इन एकजुटता के प्रयासों को गंभीरता से नहीं लेते हैं। इतना ही नहीं भाजपा अपने मुख्य एजेंडे कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के बाद मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता पर विधेयक लाने को प्रतिबद्ध नजर आ रही है। वहीं दिल्ली में राजग सम्मेलन से पहले गठबंधन से छिटके रामविलास पासवान के राजनीतिक वारिस चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, ओमप्रकाश राजभर को जिस तरह राजग में शामिल किया गया, उसका मकसद जनता को यही संदेश देना है कि राजग के साथी बिखरे नहीं हैं। वहीं पूर्वोत्तर आदि के तमाम छोटे दलों को एनडीए में शामिल करके संदेश देने का प्रयास हुआ है कि राजग के साथ दलों की संख्या विपक्ष से ज्यादा है। कहीं न कहीं विपक्षी एकजुटता को लेकर राजग गंभीर तो नजर आने लगा है, भले ही वह इस बात को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार न करे। बहरहाल बंगलुरू सम्मेलन को लेकर विपक्षी दल इस बात को अपनी उपलब्धि मान सकते हैं कि सोनिया गांधी की उपस्थिति में पटना सम्मेलन में अनमनी सी लग रही आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी तथा सपा की सक्रियता बता रही है कि विपक्ष अपने अस्तित्व के लिये एकजुटता को अपरिहार्य मान रहा है। तभी तो कई राज्यों में आमने—सामने रहने वाले राजनीतिक दल इस सम्मेलन में एक टेबल पर नजर आए। बहरहाल, कुछ कमेटियों व नीतियों पर तो विपक्षी दलों में सहमति भी बनी है, मगर अभी न्यूनतम साझा कार्यक्रम जैसे कई मुद्दों का निर्धारण होना है। साथ ही राज्यों में सीटों का बंटवारा भी एक चुनौती होगी। अभी लोकसभा चुनाव से पहले बहुत कुछ घटेगा। लेकिन तय है कि 2024 का समर रोचक होने वाला है। जिसे स्वस्थ लोकतंत्र के लिये सकारात्मक ही कहा जाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष :— आज आप सांसारिक बातें भूलकर आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में संलग्न रहेंगे। गहरी चिंतनशक्ति आपके मानसिक भार को हल्का करेगी। बोलने पर संयम रखने से अनर्थ से बच जाएंगे।

वृषभ :— आप जीवनसाथी की निकटता का सुख प्राप्त कर सकेंगे। परिवार के साथ सामाजिक समारोह में बाहर घूमने या पर्यटन पर जाएंगे और आनंद में समय व्यतीत होगा।

मिथुन :— अधूरे कार्यों की पूर्णता के लिए आज का दिन शुभ है। परिवार में आनंद और उल्लास रहेगा। स्वास्थ्य बना रहेगा। कार्यों में यश और कीर्ति मिलेगी। नौकरीपेशा वालों को लाभ होगा।

कर्क :— अच्छे मन से दिन व्यतीत करने की गणेशजी सलाह देते हैं, क्योंकि आज का दिन शारीरिक और मानसिक रूप से उद्वेगपूर्ण रहेगा। पेट दर्द परेशान करेगा। धन खर्च की संभावना है।

सिंह :— आज मानसिक अस्वस्थता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव की स्थिति आएगी। माताजी की तबीयत खराब हो सकती है। नकारात्मक विचारों से हताशा उत्पन्न होगी।

कन्यारू बिना विचारे साहस करने के प्रति गणेशजी चेतावनी देते हैं। भावनात्मक सम्बंध स्थापित होंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों का डटकर सामना करेंगे।

तुला :— आज की मानसिक वृत्ति नकारात्मक रहेगी। क्रोध आवेश में वाणी पर संयम खोने से पारिवारिक सदस्यों के साथ विवाद होगा। अनावश्यक खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य खराब होगा।

वृश्चिक :— आज का दिन शुभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ खुशी से समय बीतेगा। धन लाभ का योग है।

धनु :— क्रोध के कारण पारिवारिक सदस्यों के साथ सम्बंध बिगड़ेंगे। आपकी वाणी और व्यवहार झगड़े का कारण बन सकते हैं। दुर्घटना से बचें। बीमारी के पीछे धन खर्च होगा।

मकर :— आज का दिन हर क्षेत्र में लाभदायक है। स्नेहीजनों और मित्रों से मिलना होगा। प्रिय व्यक्तियों के साथ मुलाकात रोमांचक रहेगी। व्यापार—धंधे में आय वृद्धि होगी।

कुंभ :— हर कार्य सरलतापूर्वक हल होंगे और उनमें सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थिति बनेगी। सरकारी कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। धन प्राप्ति का योग है।

मीन :— आज के दिन की शुरुआत भय के साथ होगी। शरीर में सुस्ती और थकान रहेगी। कोई भी कार्य पूरा न होने पर हताशा होगी। भाग्य साथ न देता हुआ प्रतीत होगा। व्यर्थ में पैसे खर्च होंगे।

इंडिया से भारत की अपेक्षाएं

मंगलवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 26 विपक्षी दलों ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूजिव एलाएंस— इंडिया के नाम से गठबन्धन बनाकर जहां अगले लोकसभा चुनाव में इकठ्ठे उतरने की तैयारी कर ली है, वहीं दूसरी ओर उसी दिन सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सहयोगी दलों की बढ़ी हुई संख्या (38) के साथ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबन्धन (एनडीए) ने भी 2024 के महासमर के लिये कमर कस ली है। एनडीए का उद्देश्य डिफेंडर के रूप में अपनी केन्द्र की सरकार को बचाये रखना है, तो वहीं दूसरी तरफ चौलेंजर के रूप में उतरा नवनिर्मित गठजोड़ इंडिया उससे सत्ता छीनकर नयी सरकार बनाने का दृढ़ निश्चय कर चुका है। पिछले लगभग एक साल के दौरान पुनर्जीवित हुई कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील मोर्चे (यूपीए) में शामिल कई नयी—पुरानी साथी पार्टियां क्षेत्रीय संकीर्णताओं व व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को परे रखकर लोकतंत्र के व्यापक हित में संयुक्त शक्ति बनने के उत्साह से लबरेज दिख रही हैं। इंडिया बनाम एनडीए में कौन किसे पटकनी देता है यह तो अगले साल के मध्य में होने वाला चुनाव ही बतलाएगा, लेकिन यही वह समय है जब इस बात को समझना होगा कि लोकतंत्र में भरोसा रखने वाली जनता और परिवर्तन का आतुरता से इंतजार कर रहा जनमानस इंडिया से कौन सी उम्मीदें लगाये बैठा है। पहले तो यह समझना होगा कि वे कौन से तत्व और कारक हैं जिनके कारण भारत के अधिसंख्य लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दो बार बनी सरकार से निराश हो गये हैं। पहला तो यह कि आर्थिक मोर्चे पर मोदी सरकार बेहद असफल रही है। विभिन्न गलत वित्तीय फैसलों ने भारत को गरीबी व बेरोजगारी के गहरे कुंए में ढकेल दिया है। विकास के विभिन्न पैमानों पर देश अंतरराष्ट्रीय सूची में लगातार फिसड्डी साबित हो रहा है। नोटबन्दी व जीएसटी के गलत फैसलों ने देश की आर्थिक तबाही का रास्ता पहले ही खोल दिया था, जिसके कारण कोरोना काल में हुई करोड़ों लोगों की और भी दुर्गति हुई। ऐसे में भी मोदी के कारोबारी मित्रों का सतत अमीर होते जाना भी लोगों ने देखा था।

जैसी आर्थिक असमानता देश में अभी बनी हुई है वैसी पहले कभी भी नहीं देखी गई। यूपीए सरकार ने 2004 से लेकर 2014 तक देश के करोड़ों गरीबों का जैसा विकास किया था, वह सारा मोदी सरकार ने निष्फल कर दिया। शिक्षा व स्वास्थ्य के गिरे हुए स्तर के साथ भारत के 80 करोड़ से ज्यादा लोग आज सरकारी अनाज पर जीवित हैं।

उत्तरदायित्वहीनता और अपारदर्शिता के साथ मोदी की पहचान आज एक निरंकुश राष्ट्राध्यक्ष के रूप में विश्व भर में होती है जो अपनी आलोचना को कतई बर्दाश्त नहीं करते। सरकार की आलोचना करने वाले विरोधी दलों के नेता, पत्रकार, बुद्धिजीवी, सामाजिक संगठनों के लोग या तो कानूनी कार्रवाई झेल रहे हैं या फिर प्रताड़ित हो रहे हैं। लोकतंत्र के चारों स्तम्भों को मोदी राज में एक—एक कर कमजोर कर दिया गया है। केन्द्रीय जांच एजेंसियों का बेछूट इस्तेमाल विरोधी दलों के नेताओं के लिये किया जा रहा है या फिर विपक्ष की सरकारों को गिराने में होता है। भ्रष्टाचार व वंशवाद को मिटाने के नाम पर पहले तो मोदी, भाजपा व उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करता रहा। लोगों के ब्रेन वॉश करने से सरकार को अपनी कार्रवाई का औचित्य सिद्ध करने में मदद मिली। हालांकि अब जनता इस खेल को समझ गई कि राष्ट्रवाद व देशभक्ति के नाम पर ये संगठन केवल धन कमाने में लगे हैं— वह भी जनता की जेब से पैसे उगलवा कर।

देश के वे लोग जो भारत को एक समावेशी समाज के रूप में देखते हैं, वे विशेष तौर पर निराश हैं क्योंकि देश का सामाजिक ताना—बाना पिछले 9 साल में पूरी तरह से तार—तार हो गया है। साम्प्रदायिकता, जातिवाद, अगड़े—पिछड़ों की लड़ाई, परस्पर नफरत, अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हिंसा की खुले आम वकालत आदि के चलते देश में कानून—व्यवस्था का राज ढह गया है। सत्ता से जुड़े लोग कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं और न्याय गरीबों, वंचितों, शोषितों की पहुंच से दूर है। एक ओर तो आम जनता के अपने दुख—दर्द बढ़े हैं वहीं भाजपा विरोधी राजनैतिक दल व सरकारें देश में संघीय ढांचे के ध्वस्त हो जाने से परेशान हैं। कांग्रेस मुक्त या विपक्ष मुक्त भारत, डबल इंजन सरकार आदि जैसी लोकतंत्र विरोधी अवधारणाओं को लोकप्रिय नारों में बदला गया। विरोधी दलों की सरकारों को गिराने के लिये ऑपरेशन लोटस जैसे कुत्सित अभियान चलाए गए।

इन गैर—लोकतांत्रिक तरीकों से देश के सभी राज्यों में भाजपा की अपने एकाधिकार की बढ़ती मंशा ने विभिन्न विरोधी दलों को एक मंच पर खड़ा कर दिया है। ऐसे में उन्हें भी यह जानना होगा कि जनता भाजपा के खिलाफ इस गठबन्धन की एक स्थिर सरकार तो चाहती ही है, आने वाले समय में उसे 2014 के पहले वाला वही समावेशी व न्यायपूर्ण भारत चाहिये जो महात्मा गांधी की अहिंसा, नेहरू के विकासवाद तथा संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर की समरसता व धर्मनिरपेक्षता में यकीन रखता हो। इंडिया को यही सुनिश्चित करना होगा।

दिल्ली-कोलंबो अहम रिश्ते

आदित्य नारायण

भारत और श्रीलंका के संबंध सदियों पुराने हैं। श्रीलंका का 3 हजार वर्षों का लिखित इतिहास मौजूद है। हिन्दू प्राचीन कथाओं के अनुसार श्रीलंका को भगवान शिव ने बसाया था। श्रीलंका को भगवान शिव के पांच निवास स्थानों में से एक घर माना जाता है। शिव के पुत्र कार्तिकेय यानि मुरुगन यहां के सबसे लोकप्रिय हिन्दू देवताओं में से एक हैं। मुरुगन की पूजा यहां के न सिर्फ तमिल हिन्दू करते हैं बल्कि बोध, सिंहली और आदिवासी भी करते हैं। श्रीलंका के अलग—अलग स्थानों पर ऐसे कई मंदिर हैं जो हिन्दू और बोधों की साझा संस्कृति को दर्शाते हैं। रामायण दोनों देशों के बीच ऐसा संबंध स्थापित करती है जिसे कभी अलग नहीं किया जा सकता। श्रीलंका भारत का ही हिस्सा रहा है। अंग्रेजों के शासन ने फूट डालो और राज करो की नीति के तहत तमिल और सिंहलियों के बीच साम्प्रदायिक एकता को बिगाड़ा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 4 फरवरी, 1948 को श्रीलंका को पूर्ण स्वतंत्रता मिली। जब श्रीलंका आजाद हुआ तो अंग्रेज सत्ता सिंहलियों के हाथ में देकर चले गए और तमिलों को हाशिये पर धकेल दिया। तब से लेकर दोनों देशों के संबंध में बहुत उतार—चढ़ाव आते रहे लेकिन भारत ने हमेशा हर संकट की घड़ी में श्रीलंका की छोटे भाई की तरह मदद की। दोनों देशों में मतभेद होने के बावजूद दिल्ली—कोलंबो रिश्ते अहम बने रहे।

भारत ने पड़ोसी प्रथम की नीति अपनाते हुए हर समय संबंधों को मजबूत बनाने का ही काम किया लेकिन कुछ ताकतों ने दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट घोलने का काम किया। भारत और श्रीलंका के मध्य मतभेदों का एक मुख्य कारण श्रीलंकाई तमिलों के अधिकारों का रहा। श्रीलंका में लिट्टे के बनने की कहानी काफी हद तक वैसी ही है जैसे दुनिया के कई और देशों और भारत के कुछ हिस्सों में जमीन, संसाधन और बराबरी की मांग पर कई सशस्त्र विद्रोह हुए और अभी भी चल रहे हैं। यहां की लड़ाई मुख्य तौर पर सिंहली और श्रीलंकाई तमिलों के बीच रही है। सिंहली यहां की मूल प्रजाति है जो बौद्ध धर्म मानती है। तमिल हिंदू हैं और इनमें भी दो तरह के लोग हैं। एक तो वे जो सदियों से यहां रह रहे हैं और दूसरे, जिन्हें ब्रिटिश साम्राज्य के दौरान 19वीं और 20वीं सदी में चाय, कॉफी और रबर के बागानों आदि में काम करने के लिए दक्षिण भारत से ले जाया गया था।लिट्टे ही भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या का दोषी था। लिट्टे अब नेस्तनाबूद हो चुका है। यद्यपि श्रीलंका को चीन ने अपने कर्जजाल में फंसा कर उसे तबाही के कगार पर ला दिया और उसके बंदरगाह को कब्जा लिया जिसके बाद श्रीलंका के राजनीतिज्ञों को होश आया। जब—जब श्रीलंका पर संकट आया भारत ने अपने पड़ोसी होने के कर्त्तव्य को निभाया। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने श्रीलंका को कोरोना वैक्सीन और अन्य जरूरी दवाइयां भेजीं। भारत ने हमेशा ही श्रीलंका में खून—खराबा रोकने में भी कूटनीतिक तौर पर मदद की लेकिन 2022 का आर्थिक संकट श्रीलंका के लिए सबक सरीखा था। जब श्रीलंका दाने—दाने को मोहताज हो गया और वहां की जनता श्रीलंका संसद के बाहर खड़ी होकर हिसक रुख अपनाने लगी तो श्रीलंका के शासक देश में फैली अराजकता के बीच भागते नजर आए। तब उन्हें एहसास हुआ कि कर्ज ले—लेकर घी पीने का परिणाम क्या होता है। भारत ने तब अलग—अलग तरीकों से करीब 4 अरब डालर की मदद दी थी। भारत की ओर से दी गई वित्तीय सहायता अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की कुल प्रत्याशित विस्तारित निधि सुविधा से कहीं ज्यादा थी। मोदी सरकार ने बेहद ही मानवीय और संवेदनशील कदम उठाया। 2022 की शुरुआत में श्रीलंका में लोगों को बिजली कटौती और ईंधन जैसी बुनियादी चीजों की कमी का सामना करना पड़ा। महंगाई का स्तर चरम पर पहुंच गया था। मुद्रास्फीति की दर प्रति वर्ष 50 प्रतिशत तक बढ़ गई थी। वहां बसों, ट्रेनों और चिकित्सा वाहनों जैसी जरूरी सेवाओं के लिए ईंधन की कमी हो गई थी। श्रीलंका के पास और आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा का पर्याप्त भंडार नहीं था। ईंधन की कमी के कारण पैट्रोल और डीजल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई थी। अप्रैल 2022 आते—आते लोगों का गुस्सा राजधानी कोलंबो में विरोध—प्रदर्शन के जरिए निकलना शुरू हो गया और देखते ही देखते ये विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया था। अप्रैल—मई 2022 में श्रीलंका अपने इतिहास में पहली बार विदेशी ऋण पर ब्याज भुगतान करने में विफल रहा था। भारत से मिली सहायता की वजह से श्रीलंका को 6 महीने तक जीवित रहने में मदद मिली। अगर भारत ने श्रीलंका को मदद नहीं दी होती तो उसे एक और रक्तपात का सामना करना पड़ता। आर्थिक संकट के दौरान चीन और किसी अन्य देश ने उसकी मदद नहीं की। इतना ही नहीं भारत श्रीलंका को दिए गए कर्ज के पुनर्गठन के लिए भी तैयार हो गया है। भारत श्रीलंका में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी सहमत गया है। अब श्रीलंका कुछ सम्भला है। उथल—पुथल के एक साल बाद श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रम सिंघे भारत आ रहे हैं। दोनों देशों के राजनयिक रिश्तों के 75 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। श्रीलंका ने हाल ही में भारत को अपना सच्चा साथी कहकर चीन को बता दिया है कि श्रीलंका के लिए भारत सबसे अहम है। श्रीलंका के राष्ट्रपति की यात्रा से दोनों देशों में कई मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता होगी जिससे संबंधों को नई दिशा मिलेगी। वैसे भी श्रीलंका को चीन के मकड़जाल से मुक्त कराना भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता है।

संसद के सावन सत्र की चुनौती

आज से संसद का ‘सावन’ सत्र (मानसून सत्र) शुरू हो रहा है जो केवल 20 दिन का 17 बैठकों वाला होगा। हम पिछले कुछ वर्षों से देख रहे हैं कि किस प्रकार संसद के सत्र

छोटे पर छोटे होते जा रहे हैं और साल में संसद बामुश्किल 55 या 56 दिन के लिए ही बैठती है और उसमें भी सार्थक चर्चा होने के स्थान पर सत्ता व विपक्षी खेमों के बीच एक—दूसरे के ऊपर आरोप—प्रत्यारोपों की बौछार होती रहती है और भारी शोर—शराबा मचता रहता है या बैठकें बार—बार स्थगित होती रहती हैं। भारत पूरी दुनिया में संसदीय प्रणाली का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और इसके बावजूद इसकी संसद की हालत ऐसी हो गई है कि 17वीं लोकसभा का कार्यकाल पूरा होने में अब केवल मुश्किल से नौ महीने ही बचे हैं मगर इसे अभी तक अपना उपाध्यक्ष ही नहीं मिल पाया है। इसे हम यदि ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह बहुत बड़ी विडम्बना है क्योंकि स्वतन्त्र भारत का संविधान लिखने वाले बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने ही बहुत स्पष्ट शब्दों में घोषणा की थी कि संसद पर पहला अधिकार विपक्ष का होता है क्योंकि वह अल्पमत में होता है मगर उसी जनता का प्रतिनिधित्व करता है जिसका प्रतिनिधित्व बहुमत का सत्ताधारी दल करता है। अतः विपक्ष द्वारा उठाये गये मुद्दों और विषयों पर विशद चर्चा कराना सत्ताधारी दल का नैतिक कर्त्तव्य बन जाता है। मगर हम तो देखते आ रहे हैं कि पिछले सत्र में जिस प्रकार एक के बाद एक विधेयक बिना चर्चा के ही संसद के दोनों सदनों के भीतर भारी शोर—शराबे के बीच पारित होते रहे यहां तक कि चालू वित्त वर्ष के वजट को भी बिना किसी चर्चा के ही ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। हम भंयकर गलती कर रहे हैं क्योंकि हम उसी संसद को अप्रासंगिक बनाने का प्रयास कर रहे हैं जिसके साये में इस देश का पूरा निजाम चलता है और जिसमें बैठे हुए आम जनता के प्रतिनिधि आम लोगों से ताकत लेकर उसे चलाने की जिम्मेदारी उठाते हैं और इस मुल्क के हर तबके के लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए नीतियां बनाते हैं। भारतीय संविधान के तहत संसद को सार्वभौम इस तरह माना गया है कि इसे नये कानून बनाने का भी अधिकार है, बशर्ते वे कानून संविधान की कसौटी पर खरे उतरते हैं जिनकी तसदीक करने का हक सर्वोच्च न्यायालय को दिया गया है। इसलिए संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष को ही दी गई और इसके लिए ऐसी सुगठित व्यवस्था की गई कि केन्द्र सरकार में एक पृथक संसदीय कार्य मन्त्रालय तक सृजित किया गया। मगर हमने पिछले सत्र में देखा कि खुद सत्तापक्ष के ही सांसदों ने संसद को नहीं चलने दिया और पूरा सत्र व्यर्थ ही चला गया। संसदीय कार्यमन्त्री का मुख्य कार्य विपक्ष के साथ संवाद कायम करके संसदीय कामकाज को सामान्य तरीके से चलाने का होता है। मगर इसके साथ ही दोनों सदनों के सभापतियों की भी यह जिम्मेदारी होती है कि वे संसद की कार्यवाही को चलाने के लिए संसदीय कार्यमन्त्रणा समितियों से लेकर विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं की सहृदयता प्राप्त करने का प्रयास करें। इसी वजह से हमारे संविधान निर्माताओं ने संसद को पूरी तरह स्वतन्त्र व स्वायत्तशासी संस्था का स्वरूप दिया और लोकसभा अध्यक्ष की स्वतन्त्र सत्ता इस प्रकार स्थापित की कि सरकार का किसी भी प्रकार का दखल इसके कामकाज में न रहे। लोकसभा अध्यक्ष के आसन को भारतीय लोकतन्त्र की सांस्कृतिक परंपरा में ‘विक्रमादित्य का आसन’ माना जाता है जिस पर बैठते ही व्यक्ति अपने—पराये का भेद भुला कर केवल न्याय का संरक्षक बन जाता है। हमने यह खुद देखा है कि जब इस आसन पर ‘सभापति पैनल’ में चयनित कोई विपक्ष का सांसद बैठता है तो वह किस प्रकार सबसे पहले उत्तेजित विपक्षी सांसदों को ही शान्त रहने की ताईद करने लगता है। यही तो हमारे लोकतन्त्र की खूबी है। जिसका लोहा पूरी दुनिया मानती आयी है। सावन या मानसून सत्र प्रायः छोटा ही होता आया है जो बजट के ग्रीष्मकालीन सत्र व सर्दियों के शीतकालीन सत्र को जोड़ने वाली कड़ी के रूप में देखा जाता है। अतः इसका उपयोग भी बहुत सावधानीपूर्वक करने की परंपरा रही है। संसद में हम अगर सार्थक बहस या रचनात्मक चर्चा को ही टालने का प्रयास करेंगे तो आम जनता में जनप्रतिनिधियों के बारे में जो सन्देश जायेगा वह संसद की गरिमा के हक में नहीं होगा क्योंकि हर पांच साल बाद तो हर पार्टी का प्रत्याशी जनता से बड़े—बड़े वादे करके ही वोट यह कह कर पाता है कि वह लोकसभा में पहुंच कर आम जनता का दुख—दर्द व उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा करेगा और राष्ट्र की नीतियों के निर्माण में अपना योगदान देगा।संसद का हर सत्र शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की रस्म भी पूरी कर दी जाती है और घोषणा कर दी जाती है कि इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी पार्टियां सहयोग करेंगी मगर इसके बैठते ही नतीजा ‘ढाक के तीन पात’ निकलता है। यदि संसद ने केवल बिना बहस कराये ही भारी शोर—शराबे के बीच ध्वनिमत से ही विधेयक पारित कराने हैं तो संसद की क्या प्रासंगिकता रहेगी। हमें ध्यान रखना चाहिए कि हमारे लोकतन्त्र में संसद के सत्र कोई समारोह नहीं हैं बल्कि हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की अन्तरंग प्रणाली हैं क्योंकि संसद केवल वाद—विवाद का प्रतियोगिता स्थल नहीं होती बल्कि लोकहित व राष्ट्रहित में फैसला करने का सबसे ऊंचा मंच होती है।

स्काउट गाइड से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास प्रो डॉ आलोक कुमार सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर में बी.एड.छात्र–छात्राओं के पांच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 17–07–2023 से 21–07–2023 के मध्य आयोजित किया गया। जिसके उद्घाटन सत्र के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) आलोक सिंह ने कहा कि स्काउट गाइड प्रशिक्षण छात्रों में सामाजिक सहभागिता, सर्वांगीण विकास एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है।प्रोफेसर रीता सिंह ने कहा कि स्काउट गाइड छात्रों के अंदर श्रम एवं सहभागिता विकसित करने के साथ सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है, जिससे छात्रों में अनुशासन एवं कर्तव्य निष्ठा की भावना विकसित होती है ! इस अवसर पर प्रोफेसर श्रद्धा सिंह ने कहा कि स्काउट गाइड छात्रों में उत्तम नागरिक गुणों, परोपकार, दया एवं देशभक्ति जैसे मूल्यों का विकास होता है । पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक राकेश मिश्र,आफ्सा तरन्नुम एवं अजय कुमार चौहान ने छात्रों को टेंट, पुल ,गाठबंधन, ध्वज शिष्टाचार, कलर पार्टी, व्याख्यान ,बीपी सिक्स, व्यायाम एवं योग आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर वृक्षारोपण का कार्य भी शिक्षक शिक्षा विभाग में किया गया। शिविर के समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर अजय कुमार दुबे ने कहा कि स्काउट गाइड प्रशिक्षण छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करता है, जिससे छात्र अपने भावी जीवन में समाज में उपयोगी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकें । इस अवसर पर शिक्षक शिक्षा विभाग के डॉ अरविंद कुमार सिंह, डॉ प्रशांत कुमार पाण्डेय, डॉ गीता सिंह ,डॉ वैभव सिंह, डॉ सीमांत राय एवं बीएड के प्राध्यापक तथा छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिका उपस्थित रहकर प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता किया।

प्रमुख सचिव के साथ विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सू0वि0) – प्रमुख सचिव लोक सेवा प्रबंधन विभाग उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के0 रविंद्र नायक की अध्यक्षता में गुरुवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में सर्वप्रथम राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह द्वारा पूर्व में किए गए मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के दौरान दिये गये निर्देशो के अनुपालन में की गयी कार्यवाही की समीक्षा की गई, जिस पर कार्यदायी संस्था के द्वारा अवगत कराया गया कि सभी निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन करा दिया गया है। प्राचार्य ने अवगत कराया कि मेडिकल कॉलेज में मानक के अनुरूप डॉक्टर पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता है स्टाफ की कोई कमी नहीं है। इसके साथ ही पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, जल निगम, परिवहन विभाग, पर्यटन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सेवायोजन विभाग सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई।

पशु चिकित्सा अधिकारी से पशुओं के टैगिंग एवं बेसहारा पशुओं के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गई और निर्देशित किया गया कि पशुओं के लिए हरा चारा, पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। एक्सईएन जल निगम से जानकारी ली कि अब तक कितनी पाइप लाइन जोड़ी गई है एवं सड़क खोदने के बाद गड्ढे ठीक से भरे गए हैं या नहीं और निर्देशित किया कि यदि नहीं भरे गए हैं तो जल्द से जल्द उन्हें भरवाना सुनिश्चित करें। उपनिदेश कृषि से पूछा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों का भुगतान हो रहा है या नहीं, ई–केवाईसी, भू–अभिलेखन, आधार सीडिंग इत्यादि की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। कृषि विभाग को निर्देशित किया कि इस वर्ष कम बारिश के मद्देनजर किसानों को वैकल्पिक फसल लगाने हेतु प्रोत्साहित करें।एक्सईएन विद्युत को निर्देशित किया कि खराब ट्रांसफॉर्मर की पुनरावृत्ति के कारणों का पता लगाए एवं इसे रोके।

जनपद में अमृत सरोवर का निर्माण गांव की पारिस्थितिकी एवं अवसादों को ध्यान में रखकर किया जाए एवं अमृत सरोवर के किनारे पौधरोपण भी किया जाए। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर सर्वे कराकर सामुदायिक शौचालय का निर्माण पूर्ण कराना सुनिश्चित कराएं।मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि आयुष्मान भारत के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य कितना प्राप्त हुआ है सीएमओ द्वारा अवगत कराया गया कि 58 प्रतिशत कार्ड बनाए जा चुके हैं। नोडल अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि कार्ड बनाने में देरी न की जाए। महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत बालिका सुमंगला योजना, स्वामित्व योजना के तहत कितने ग्राम का सर्वे हो चुका है आदि के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की। सेवायोजन अधिकारी से कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षु अभ्यर्थियों की संख्या, प्लेसमेंट के प्रतिशत की जानकारी ली।

श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीयन, श्रम पोर्टल पर आवेदन, आकस्मिक मृत्यु पर दिए जाने वाले सहायता अनुदान, छात्रवृत्ति के संदर्भ में पूछा।

बेसिक शिक्षा अधिकारी से छात्र–छात्राओं के नामांकन, शिक्षकों की उपस्थिति, तथा बाल विकास पुष्टाहार मिशन के तहत बच्चों में पुष्टाहार के वितरण के संदर्भ में पूछा।जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिये गये निर्देशों को पालन शत–प्रतिशत पालन कराया जायेगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामअक्षयवर चौहान, अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व गणेश प्रसाद सिंह सहित समस्त जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जीवन में सतुष्टि के लिए करें काम: अभिषेक सिंह

कैरियर, स्टार्टअप्स एंड इनोवेशन विषयक व्याख्यान का हुआ आयोजन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुक्रवार को कैरियर, स्टार्टअप्स एंड इनोवेशन विषय पर एक व्याख्यान हुआ। यह व्याख्यान इनक्यूबेशन सेंटर और ट्रेनिंग सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि जौनपुर जनपद के आईएएस और मोटिवेशनल स्पीकर अभिषेक सिंह ने कहा कि जीवन में सतुष्टि के लिए काम करें। मानव के दिल को अमीर बाप की बिगड़ी औलाद की तरह होना चाहिए जो दिमाग से कुछ भी मांग सके और दिमाग इस तरह होना चाहिए कि उसकी हर बात को पूरा कर सके। उन्होंने कहा कि सोच तर्कपूर्ण हो इमोशनल नहीं अगर किसी विषय पर आपका मन नहीं लग रहा तो इसका कारण यह है कि आपका उस पर ध्यान केंद्रित नहीं है। उन्होंने कहा कि विकसित और विकासशील देशों में कल्चर का अंतर होता है। सबसे बड़ा धर्म मानवता है। उन्होंने कहा कि बिजनेस के लिए पूंजी नहीं आइडिया की जरूरत होती है अगर आपके पास इनोवेटिव आईडिया है तो लोग उसे हाथों–हाथ ले लेते हैं। व्याख्यान के दौरान प्रश्न–उत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को काफी उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के पश्चात अभिषेक सिंह ने इन्क्यूबेशन सेंटर की सुविधाओं को देखा और कहा कि निश्चित तौर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय युवाओं के लिए नए तरीके से कार्य कर रहा है। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने अपनी पुस्तक गर्भसंस्कार अभिषेक सिंह को भेंट की।

अध्यक्षता प्रो. वंदना राय ने किया। इन्क्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने स्वागत और विषय प्रवर्तन किया। संचालन डा. दिग्विजय सिंह राठौर और धन्यवाद ज्ञापन सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. अजय द्विवेदी, डा. मनोज मिश्र, डा. प्रमोद यादव, डा. रसिकेश, डा. सुनील कुमार, डा. नीतेश जायसवाल, डा. जाह्नवी श्रीवास्तव, डा. अनु त्यागी, डा. सुशील कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा से संबंधित बच्चों को विभिन्न पहलुओं को समझाया गया

संवाददाता

लखनऊ। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, नई दिल्ली एवं सृजन फाउंडेशन की सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान सजग के अंतर्गत स्कूल के बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में छावनी परिषद स्थित माध्यमिक विद्यालय आर ए बाजार में गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। लगभग 205 बच्चों ने प्रतिभाग किया जिसमें बच्चों को ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क, हीरो मोटोकॉर्प लखनऊ के सेफ्टी मैनेजर पंकज शर्मा द्वारा सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं को समझाया। आपने हेलमेट की गुणवत्ता के बारे में भी बताया।

कर्मचारी नेताओं ने सचिवालय संघ अध्यक्ष से की मुलाकात

संवाददाता

लखनऊ। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ सहित कई संगठनों के पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश सचिवालय संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अर्जुन देव भारती का स्वागत करते हुए गुलदस्ता भेंट किया। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महासचिव और राष्ट्रीय डिप्टी जनरल सेक्रेटरी अखिल भारतीय राज्य सरकारी चतुर्थ श्रेणी महासंघ सुरेश सिंह यादव ने एवं राम गोपाल गौतम राष्ट्रीय जोनल सिक्योरिटी अखिल भारतीय राज्य सरकारी चतुर्थ श्रेणी महासंघ, राम विजय रावत पूर्व निर्देशक कोऑपरेटिव लिमिटेड बैंक, योगेंद्र कुमार अध्यक्ष विधान भवन सुरक्ष संघ, रामचंद्र अंबेडकर, राजेश मौर्य, अभिजीत पांडे मौजूद रहे। इस दौरान सचिवाल संघ के अध्यक्ष को सुरेश यादव ने बताया कि प्रदेश में समस्त विभागों में लगभग 4.5 लाख पद चतुर्थ श्रेणी के रिक्त हैं। पुरानी पेंशन बहाल करने की लेकर पूरे प्रदेश में शांति पूर्वक ज्ञापन के माध्यम से बैठकों के माध्यम से सरकार से आग्रह किया जा रहा है। लेकिन राज्य एवं केंद्र सरकार है इस पर कोई नहीं ध्यान दे रही। जहां पर भाजपा शासित सरकारें हैं वहां पर तो कोई सुनवाई नहीं हो रही। पुरानी पेंषन बहाली को लेकर राष्टीय स्तर पर आन्दोलन और कर्मचारी शिक्षकों में आक्रोष है। पेंशन को लेकर देश में दोहरा कानून चलाया जा रहा है। सांसद एवं विधायक राज्यसभा के सदस्य पुरानी पेंशन प्राप्त कर रहे हैं वहीं पर 60 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद बुढ़ापे के सहारे का कर्मचारियों का हक छीना जा रहा है। यह इन लोकतांत्रिक अधिकार का हनन है। इसी मौके पर राम गोपाल राष्ट्रीय जोनल सिक्योरिटी अखिल भारतीय राज्य सरकारी महासंघ ने कहा कि पूरे भारतवर्ष में चतुर्थ श्रेणी के लगभग नौ लाख पद स्वीकृत हैं। 60 प्रतिशत सेवानिवृत्त हो गए हैं।

केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय अंचल कार्यालय में विशिष्ट ग्राहक संगोष्ठी आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय प्रथम और द्वितीय ने अंचल कार्यालय के सभागार में विशिष्ट ग्राहक बैठक का आयोजन किया , जिसमे अंचल महाप्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल ने बैंक के ग्राहकों को बैंक द्वारा मार्च 2023 में 20 लाख करोड़ बिजनेस होने पर सभी को हार्दिक बधाई दी और बेहतर सेवा करने का संकल्प लिया। आज की बैठक में लखनऊ क्षेत्रिय कार्यालय प्रथम के सहायक महा प्रबंधक अमित कुमार अस्थाना ने सभी विशिष्ट ग्राहको का स्वागत किया , बैंक ने अपने ग्राहकों को खुदरा व्यापार, एम एस एम ई योजना, कृषि ऋण एवं डिजिटल बैंकिंग के नए उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी ।

बैंक की बेहतर नीतियों और कार्यशैली के कारण बैंक का मार्केट में शेयर रुपए 80 का आज 340 को पार कर गया और बैंक ने अपने शेयर होल्डर को रुपए 120 का डिविडेंड दिया। आज की बैठक मे उपमहाप्रबंधक लोकनाथ एवं संजय कुमार उपस्थित रहे। बैंक ने अपने ग्राहकों से सुझाव भी मांगे और उसे बैंक की नीतियों के तहत पूरा करने की समर्थता जताई। लखनऊ द्वितीय के सहायक महाप्रबंधक वेद प्रकाश जी ग्राहकों को संगोष्ठी में भाग लेने पर धन्यवाद दिया।

25 जुलाई को रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर – निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर के तत्वाधान में विधानसभा क्षेत्र शाहगंज के खण्ड विकास परिसर खुटहन में 25 जुलाई 2023 को प्रातः 10.00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनी महेन्द्रा ऑटो मैनपावर, पुखराज हेल्थ केयर प्रा०लि०, सनशाई मैन पावर सर्विस, निमसोन हर्बल प्रा०लि०, ब्राइट फ्यूचर ऑर्गेनिक प्रा०लि०, शिवशक्ति बायो टेक्नोलॉजी सूर्या एल0ई0डी0 बल्ब मैन्यूफेक्चरिंग, गुडविल इण्डिया मैनेजमेंट ग्रुफ ऑफ कम्पनी आदि के द्वारा सेल्स, मैनेजर, कम्प्यूटर आपेरटर, इलेक्ट्रिशियन आदि के पदों पर भर्ती करेंगी, जिनकी शैक्षिक योग्यताः– हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस के माध्यम से सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए, विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें।

जिला सेवायोजन अधिकारी एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई०डी०प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करें। सेवायोजन वेब पोर्टल– www-sewayojan-up-nic-in के माध्यम से भी अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

27 जुलाई को पीयू में होगा सावन महोत्सव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 27 जुलाई को सावन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस सावन महोत्सव में विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं के साथ–साथ तमाम स्टाल लगाए जाएंगे। कार्यक्रम की समन्वयक डा. जाह्नवी श्रीवास्तव के अनुसार स्टाल में लगने वाले हस्तनिर्मित वस्तुओं के निर्माण का प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र और महिला अध्ययन केन्द्र पर दिया जा रहा है। हस्तनिर्मित वस्तुओं में धूप, आचार, हैंडमेड झुमके इयररिंग्स और राखी शामिल है। इसके साथ ही 2023 में हुए नगर निकाय चुनावों में विजयी जिले की सभी महिला प्रत्याशियों को सम्मानित किया जाएगा। इन सब के साथ ही सावन में महोत्सव में शिव–पार्वती झांकी, पेड़ों की बारात एवं कजरी गायन भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। विश्वविद्यालय अपनी आसपास की संस्कृति और कलाओं को जिन्दा रखने के लिए ऐसे कार्यक्रम कर रही है ताकि विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर सके।

मुहर्रम पर्व के मद्देनजर पुलिस ने किया पैदल मार्च

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

खरगूपुर गोंडा।आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर पुलिस ने पैदल मार्च किया। प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार द्विवेदी की अगुवाई में शुक्रवार को पैदल मार्च निकाला गया। पैदल मार्च कस्बे के मुख्य मार्ग सहित अन्य मोहल्लों से गुजरा। प्रभारी निरीक्षक श्री द्विवेदी ने बताया कि मोहर्रम पर्व को देखते हुए शासन के दिशा निर्देश पर पैदल मार्च का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखते हुए पर्व को सकुशल सम्पन्न कराया जाय। वहीं कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंगा नियंत्रण का अभ्यास कराया गया। पैदल मार्च में उप निरीक्षक चंद्र भूषण पांडे, डी एन चतुर्वेदी,घनश्याम वर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी रहे।

लखनऊ जिला बैडमिंटन चौम्पियनशिप 21 जुलाई से प्रारम्भ

संवाददाता

लखनऊ। जिला बैडमिंटन संघ के सचिव श्री अनिल ध्यानी के अनुसार जिला बैडमिंटन चौम्पियनशिप 21 से 23 जुलाई 2023 तक गोमतीनगर स्थित बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में होनी निश्चित की है। इसमें जिले के करीब 350–400 के करीब खिलाड़ी भाग ले रहे है, इस चौम्पियनशिप में 11 वर्ष से 19 वर्ष तक बालक–बालिका एवंम् पुरूष–महिला एकल, युगल व मिश्रित युगल स्पर्धा होगी। इस चौम्पियनशिप के आधार पर जिला बैडमिंटन टीम का चयन होगा, जो प्रदेश एवं अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं एवं चौम्पियनशिप में भाग ले सकेंगें।

700 कैंडिडेट को बाटें गए नियुक्ति पत्र

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के लोक भवन में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलग–अलग विभागों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटे। यूपी लोक सेवा आयोग एवं यूपी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से चयनित 700 कैंडिडेट का चयन किया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, अब योग्यता के अनुसार नियुक्तियां हो रहीं हैं। किसी सिफारिश की जरूरत नहीं है। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं है। यहां अब विकास की बात हो रही है। कहा, नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि पिछले 6 सालों के अंदर यूपी के 5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। उन्होंने कहा, बहुत सारे लोग जिंदगी काट देते हैं लेकिन उन्हें कोई नहीं पहचानता है। आप अगर अच्छा काम करते हैं तो पब्लिक के मन में भी साफ–सुथरी छवि उभरती है। इसलिए ऐसा काम करें कि लोग आपको पहचाने और याद रखें। उन्होंने

कहा, पूरे यूपी को अपना गांव और घर समझकर काम करिए। हर जनपद, हर गांव महत्वपूर्ण हैं। 25 करोड़ जनता के लिए काम करना है। किसी भी विभाग में कोई कोताही न बरती जाए। मैं स्वयं उसमें हस्तक्षेप करके कार्रवाई करता हूं। उन्होंने अपील करते हुए कहा, आप जिस टीम का हिस्सा बनने जा रहे हैं उसमें कार्यकुशलता और ईमानदारी से कार्य करें। उत्तर प्रदेश के नियुक्ति विभाग के 39 डिप्टी कलेक्टर को आज नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इसके साथ ही गृह विभाग मे 93 पुलिस उपाधीक्षक को, खाद एवं रसद विभाग में सात जिला खाद्य विपणन अधिकारी, वित्त विभाग के 12 कोषाधिकारी, नगर विकास विभाग के 10 अधिशासी अधिकारी, राज्यसभा के 44 नायब तहसीलदार, आयुष विभाग के 422 चिकित्सा अधिकारी, खनिज विभाग के 53 प्राविधिक सहायक, राज्य संपत्ति विभाग के 5 व्यवस्था अधिकारी और खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के 15 प्रबंधकों को आज नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

हनुमत् कृपा आध्यात्मिक चौनल का शुभारम्भ

संवाददाता

लखनऊ। हनुमान सेतु मंदिर में हनुमत् स्वरूप बाबा नीब करौरी महाराज के अनन्य भक्त डॉ. श्याम लाल कपूर ने आज हनुमत् कृपा आध्यात्मिक यूट्यूब चौनल का शुभारंभ किया। डॉ. कपूर ने चौनल की सफलता के लिए आशीर्वाद देते हुए कहा कि हनुमत् कृपा पत्रिका के साथ अब हनुमत् कृपा आध्यात्मिक चौनल शुरू होना बहुत आनंदित करने वाला कदम है, इसके लिए संपादक नरेश दीक्षित समेत उनकी टीम के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि जिस पर गुरुदेव महाराज की कृपा हो जाती है, उसका जीवन धन्य हो जाता है। डॉ. कपूर ने कहा कि बाबा जी को शरीर त्यागे 50 साल पूरे हो गये हैं लेकिन उनका आशीर्वाद आज भी देश–दुनिया के करोड़ों भक्तों को बखूबी मिल रहा है, तभी तो कैंची धाम नैनीताल से लेकर, वृन्दावन धाम, चर्च लेन प्रयागराज, हनुमान सेतु मंदिर लखनऊ, श्रीहनुमान बिड़ला मंदिर व जौनापुर मंदिर दिल्ली, ऋषिकेश, कानपुर आदि शहरों में स्थापित मंदिरों में लगातार दर्शनार्थी भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही है। चौनल के शुभारंभ के अवसर पर युद्धवीर अग्रवाल, निवेदन पाण्डेय–डॉ. अलका निवेदन, राज गुप्ता, रणविजय व उनकी धर्मपत्नी, योगेश मिश्र, सुदीप बाजपेयी, रमेश शर्मा, जितेंद्र कुमार, पत्रकार रामू पाण्डेय, प्राचीन हनुमान सेतु मंदिर के पुजारी पं. श्याम पाण्डेय आदि भक्तजनों की खास उपस्थिति रही। विमोचन के बाद मंदिर में मौजूद भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया।

जैन आचार्य काम कुमार नंदी की निर्मम हत्या पर जैन समाज ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

लखनऊ। कर्नाटक में दिगम्बर जैन आचार्य काम कुमार नंदी जी महाराज की निर्मम हत्या पर आक्रोशित जैन समाज ने गुरुवार को महावीर पार्क डालीगंज पर प्रदर्शन किया। श्री जैन धर्म प्रवर्धनी सभा के तत्वाधान में 20 जुलाई दिन गुरूवार को श्री महावीर पार्क, डालीगंज, में सुबह नौ बजे से दो बजे तक घटना के विरोध में अध्यक्ष व सभापति विनय कुमार जैन की अध्यक्षता में प्रदर्शन हुआ। विनय जैन ने बताया कि एक ज्ञापन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भेजा गया।

जिसमें धर्मस्थलों के सम्बन्ध में कर्नाटक की उपरोक्त घटना सहित सुरक्षा एवं जांच के आदेश देने की मांग कि जिससे त्वरित कार्यवाही हो सके और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाये। साथ ही जैन मुनियों एवं जैन धर्मस्थलों की सुरक्षा हो सके। जैन समाज के लोग पहले महावीर पार्क पर एकत्रित हुए। बाद में रैली के रूप मे महिलाएं–बच्चे–बूढ़े हाथों में तखतियां लेकर हमलावारों को दण्डित किए जाने एवं जैन साधुओं की सुरक्षा के लिए मांग कर रहे थे।

प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए शहीद स्मारक पहुंचे। इस मौके पर इंदिरा नगर से अभिषेक जैन, गोमती नगर के पी के जैन, आलोक जैन चौक से अशोक जैन, सहादत गंज से महेश जैन , आशियाना से बृजेश जैन बंटी, काकोरी से विशाल जैन, जानकीपुरम से आदिश्वर जैन, अर्जुनगंज से अवनीश जैन के अलावा बाईजी, शुभाध जैन, सुशील जैन, मनोज जैन, रितेश जैन, रविप्रकाश जैन आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विरोध जताया।

22 जुलाई को रोपे जायेंगे 30 करोड़ पौधे : सक्सेना

संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी देश दुनिया में हर जगह आगाह करते हैं, ग्लोबल वार्मिंग,क्लाईमेट चेंज हो रहा है, जिसकी वजह से वायुमण्डल में कार्बन डाई ऑक्साइड का ज्यादा उत्सर्जन हो रहा है, इसी को ध्यान में रखते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में 35 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है।

अंकित ग्राम, सेवाधाम आश्रम में अंकितग्राम वर्षा मंगल राष्ट्रोत्सव

39 दिवसीय 32वें वर्षा मंगल महोत्सव का तीन दिवसीय नंदिनी लोकमित्र राष्ट्रीय सम्मेलन का 22 जुलाई को होगा शुभारंभ

गांधी-विनोबा विचार प्रवाह के देश के 11 प्रांतों से आए प्रतिभागी पहुंचे सेवाधाम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

उज्जैन। 'अंकित ग्राम' सेवाधाम आश्रम में राष्ट्रीय ध्वज के जन्म दिवस एवं अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम के परोक्ष समाजसेवी मास्टर अंकित गोयल के 39वें जयन्ती पर्व पर 39 दिवसीय 32वें वर्षा मंगल महोत्सव ''अंकितग्राम वर्षा मंगल राष्ट्रोत्सव'' दिनांक 22 जुलाई शनिवार को प्रातः 11 बजे तीन दिवसीय नंदिनी लोकमित्र राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ भारत के जाने माने पर्यावरण एवं स्वच्छता कर्मयोगी के रूप में विख्यात पर्यावरणीय स्वच्छता संस्थान के अध्यक्ष तथा गांधीजी के साबरमती आश्रम अहमदाबाद के मैनेजिंग ट्रस्टी जयेश भाई पटेल के मुख्य आतिथ्य, जमनालाल बजाज पुरस्कार से सम्मानित विमला बहन, पद्मश्री प्रहलाद सिंह टिपानिया, संजय राय महात्मा गांधी द्वारा 1932 में स्थापित हरिजन सेवक संघ दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव, डॉ अरविन्द मित्तल, राष्ट्रीय सहसंयोजक (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़) विश्व धर्म चेतना मंच श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरूपति, वैदिक ज्योतिष हेमन्त कौसर, माताजी श्री निर्मलादेवी सहजयोग के प्रमुख अनुयायी राजेश अग्रवाल सहित गांधी विनोबा विचार प्रवाह के देश के 11 प्रांतों से आए प्रतिभिागियों की वरद उपस्थिति में सम्पन्न होने जा रहा है।

सुधीर भाई ने बताया कि मास्टर अंकित की स्मृतियों को जीवन्त रखने एवं जनमानस में पर्यावरण जागरूकता संदेश देने हेतु 39 दिवसीय महोत्सव विगत 32 वर्षों से अनवरत जारी है, यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर संचालित किया जा रहा है। उक्त आयोजन में देश–विदेश से आने वाले आंगतुकों को सम्मिलित किया जाता है, इस वर्ष समारोह के शुभांरभ अवसर पर रमेश भइया संस्थापक विनोबा सेवा आश्रम, उत्तरप्रदेश के सहयोग से गांधी विनोबा विचार प्रवाह द्वारा प्रेरित तीन दिवसीय नंदिनी लोकमित्र राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन वृहद स्तर पर रखा गया है।

नंदिनी लोकमित्र राष्ट्रीय सम्मेलन के सूत्रधार रमेश भइया ने बताया कि विनोबा विचार प्रवाह के माध्यम से इस वर्ष देश के 11 स्थानों पर यह सम्मेलन किए जा रहे है और बाबा विनोबा ने वर्ष 1973 आज से पचास वर्ष पहले पवनार में स्त्री शक्ति जागरण हेतु भगिनी सम्मेलन आयोजित किया था जिसमें हर प्रदेश की बहनों को आमंत्रित किया गया था, उसी स्मृति में 11 राज्यों में स्त्री शक्ति जागरण हेतु यह शिविर आयोजित किए जा रहे है जिसमें पहले दिन महापुरूषों के द्वारा स्त्री शक्ति की जो अवधारणा बताई गई है जिसकी चर्चा विस्तृत रूप में की जावेगी। विनोबाजी ने महिला को महान बनने के जो सूत्र दिए है उनकी चर्चा पूरे दिवस की जाती है। दूसरे दिन ब्रह्म विद्या का मजदूरी के क्षैत्र में प्रयोग करने वाली आध्यात्मिक संस्था ब्रह्म विद्या मंदिर पवनार पर चर्चा केन्द्रित होती है। तीसरे दिवस देशभर से आई हुई बहनों की अपेक्षा जानने का प्रयास होता है। अभी तक पहला नंदिनी शिविर पर्यावरणीय स्वच्छता संस्थान, सुघड़, गांधीनगर, गुजरात, दूसरा बाघधारा संस्था, बांसवाड़ा, राजस्थान, तीसरा ग्लेरियस अकादमी संस्था, माधव बाजार, वाराणसी, चौथा परमार्थ आश्रम, ऋषिकेश उत्तराखण्ड, पाँचवा गांधी ग्राम विकास केन्द्र, चारमण्डली, भोपाल में आयोजित किए जा चुके है, जिसमें लगभग 500 से अधिक बहने अपनी सहभागिता कर चुकी है, और छंटा सम्मेलन अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम, उज्जैन में आयोजित किया जा रहा है जिसमें गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, आंध्रप्रदेश तथा मध्यप्रदेश के 100 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे है। राष्ट्रीय युवा योजना, भारत के सलाहकार अजय कुमार पाण्डे, जल संरक्षण पर पद्मश्री प्राप्त जलयोद्धा उमा शंकर पाण्डे, दिल्ली युनिवर्सिटी की प्रो. डॉ. भारती देवी, बापा आश्रम गांधी आश्रम दिल्ली की प्रमुख डॉ. निशाबाला त्यागी, झारखण्ड की आदिवासी नेता गीता सिंह, चम्पारन बिहार में गांधी विनोबा का कार्य करने वाली शत्रुघ्न झा, हरदोई उत्तरप्रदेश से अमरीश कुमार, उत्तरप्रदेश वरिष्ठ पत्रकार आर.एल. पाण्डे, आंध्रप्रदेश से सद्गुरू मण्डल की प्रमुख कविता बहन, गुजरात के सफाई विद्यालय के प्रमुख धीरूभाई पुरबिया, विश्वमित्र के नाम से विख्यात पूना के योगेश मथुरिया, राजस्थान, बीकानेर के कृष्णा शक्ति, बिनोबाजी के आश्रम गांव पवनार की डॉ. शुभांगी हिवरे, प्रिती मेघे, तथा डॉ. अशोक हिवरे, भूदान आंदोलन की क्रांतिकारी महिला नेता राजोदेवी, इंदन कुमार तथा पुनिया के राजेन्द्र भाई, ग्राम शिल्पी से श्रीमती स्नेहल, जलदीप एवं अल्पेश, धुलिया से शिवाजी भावे संस्थान की प्रमुख सुश्री प्राची नरेन्द्र, मउ–उत्तरप्रदेश समाजवादी चिंतक सुन्दरलाल सुमन, उत्तरप्रदेश राज्य के कृषक समृद्धि आयोग के सम्मानीय सदस्य श्रीकृष्ण चौधरी, छत्तीसगढ़ युवा योजना के विकास प्रजापति, क्रांतिबहन बिहार, हरिजन सेवक संघ प्रयागराज के सचिव डॉ. सुरेश नारायण शुक्ला, हरियाणा की ग्राम स्वराज की वाहक सविता बहन सहित अनेक प्रांतों से प्रतिभागी भाग ले रहे है।

अंकितग्राम सेवाधाम में 39 दिवसीय होंगे विविध आयोजन

अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम की समन्वयक मोनिका–गोरी गोयल ने बताया कि 32वां वर्षा मंगल महोत्सव दिनांक 22 जुलाई से 29 अगस्त तक अनवरत जारी रहेगी। 39 दिवसीय महोत्सव के अंतर्गत बिल्वपत्र, फल, नीम, बड़, पीपल एवं औषधीय गुणों से परिपूर्ण पौधों का रोपण वनवासी एवम् ग्रामीण क्षेत्रों के साथ सेवाधाम आश्रम, गंभीर बांध क्षैत्र एवं अनेक राज्यों में होगा। पौधारोपण के साथ राष्ट्रीय ध्वज जन्मदिवस व विविध जयंती पर्व मनाए जावेंगे। आदिवासी अंचलों में महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वस्थ जीवन हेतु निःशुल्क केरियर गाईडेंस, प्रशिक्षण में कम्प्यूटर, हस्तशिल्प, मूर्तिकला, राखी, मलखम्ब, दीपक–बाती, विविध भाषा ज्ञान, सांस्कृतिक, चित्रकला, प्राथमिक स्वास्थ्य संरक्षण एवं विविध शिविर जिनमें योग, प्राकृतिक चिकित्सा, दन्त चिकित्सा, फिजियोथैरेपी, नेत्र चिकित्सा, सामान्य स्वास्थ परीक्षण सहित दिव्यांगों के परीक्षण हेतु विशेष शिविरों का आयोजनों के साथ जीवदया, नेकी की दिवार एवं नारायण सेवा के विविध आयोजन किए जावेंगे।

मेदांता लखनऊ में उत्तर भारत की पहली वेरियन एज मशीन का हुआ शुभारंभ

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। गुरुवार को मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के अग्रणी हॉस्पिटल मेदांता अस्पताल के कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर प्रोग्राम (व्यापक कैंसर देखभाल कार्यक्रम) का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य उत्तर प्रदेश में कैंसर उपचार और देखभाल के विश्वस्तरीय उपचार मानकों के अनुसार कैंसर रोगियों को सटीक उपचार प्रदान करना है।

मेदांता समूह के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. नरेश त्रेहन ने कहा, मेदांता अस्पताल। लखनऊ में व्यापक कैंसर देखभाल कार्यक्रम उत्तर प्रदेश और इसके आसपास के राज्यों के लोगों के लिए विश्व स्तर की उन्नत कैंसर उपचार की सुविधा प्रदान करेगा।

मेदांता अस्पताल, लखनऊ के मेडिकल डायरेक्टर, डॉ. राकेश कपूर ने कहा, "हाई एंड वेरियन एज रेडिएशन मशीन से लैस मेदांता के व्यापक कैंसर देखभाल कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश में कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक मील का पत्थर साबित होगा। अपनी तरह की यह पहली मशीन शरीर के किसी भी हिस्से, किसी भी साइज और आकार के ट्यूमर का इलाज करने में मदद करेगी। जिन ट्यूमर तक पहुंचना या जिनका ऑपरेशन करना कठिन है, उनका इलाज होने से निश्चित रूप से बीमारी और इससे होने वाली मौतों की संख्या में कमी आएगी। अब हम उन्नत कैंसर उपचार देने और गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए चौबीसों घंटे विशेष देखभाल सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित हैं। हमारा लक्ष्य व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करना है जो रोगियों को सर्वोत्तम संभव परिणाम और जीवन की गुणवत्ता प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम में मेदांता कैंसर इंस्टीट्यूट के प्रसिद्ध डॉक्टरों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. अमित अग्रवाल (निदेशक, एंडोक्राइन और ब्रेस्ट सर्जरी), डॉ. अंशुल गुप्ता (निदेशक, मेडिकल और हेमाटो–ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट), डॉ. आलोक गुप्ता (मेडिकल और हेमाटो ऑन्कोलॉजी के निदेशक और प्रमुख), डॉ. हर्षवर्द्धन अत्रेय (निदेशक, मेडिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ. विवेकाननद सिंह (निदेशक, हेड और नेक ओन्को सर्जरी) और डॉ. केजे मारिया दास (एसो) शामिल थे। सीआईएटीई निदेशक, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी) सहित अन्य शामिल थे।

शहर के प्रमुख मार्गो के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण योजना को सांसद मेनका गांधी ने जनता को किया समर्पित

सुल्तानपुर । विकास भवन के सामने स्थित तिकोनिया में पहुंचे सांसद मेनका गांधी,विधायक विनोद सिंह और पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ।शहर को सुंदर बनाने के लिए विधायक विनोद सिंह ने सांसद का जताया आभार। बिजली अफसरों से भविष्य में लकड़ी का खंभा नहीं लगाए जाने का आह्वान। एक्सईएन संतोषमणि तिवारी ने मंच से जानकारी देने के बाद सांसद भेंट किया पुष्प गुच्छ। सांसद बोलीं, 4 साल में सड़क बनाने के लिए हमें करना पड़ा काफी संघर्ष। गोमती नदी पर जाली लगने से कम हुई आत्महत्याएं। ठेकेदार के भ्रष्टाचार से प्रभावित रहा था शहर सुंदरीकरण कार्य। शहर में इस सत्र में लगेंगे एक हजार पौधे।

महिला सभा की जिलाध्यक्ष ने घोषित किया जिला कमेटी

संवाददाता

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर व प्रदेश अध्यक्ष महिला सभा श्रीमती रिबू श्रीवास्तव की स्वीकृत पर महिला सभा की जिलाध्यक्ष श्रीमती सरोज यादव ने जिला कमेटी घोषित किया सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव के अनुसार जिलाध्यक्ष श्रीमती सरोज यादव, उपाध्यक्ष उर्मिला गौर, हुमैरा शकील, विमला निसाद, राजकुमारी वर्मा, लीलावती यादव, महासचिव डॉक्टर निषात अख्तर, कोषाध्यक्ष रीता रही।

बाढ़ से बचाव व राहत के लिए 41 जिलों में पूर्वाभ्यास सम्पन्न

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से गुरूवार को प्रदेश के 41 जनपदों पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, बाराबंकी, गोण्डा, अयोध्या, अम्बेडकरनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बदायूं फर्रूखघबाद, बिजनौर, बलरामपुर, श्रावस्ती, महाराजगंज, गाजीपुर, उन्नाव, बुलंदशहर, कासगंज, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, हमीरपुर, शामली, गौतमबुद्ध नगर, रामपुर, हरदोई, अलीगढ़, प्रयागराज, वाराणसी, मैनपुरी, शाहजहांपुर एवं लखनऊ में बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आयोजित किया गया।

जाली फर्म के बड़े नेटवर्क पर सीजीएसटी लखनऊ का शिकंजा

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में सीजीएसटी यानी केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग ने फर्जी फर्म के जरिए बड़ा मुनाफा कमाने वाले सिंडिकेट को बेनकाब किया है। बड़े पैमाने पर चल रही इस फर्जीवाड़े में नेटवर्क बनाकर देशभर की फर्म से अयोग्य इनपुट टैक्स क्रेडिट लिया जा रहा था। धोखाधड़ी से जीएसटी का लाभ ले रही इन फर्जी फर्मों के सिंडिकेट को खत्म करने के लिए विभाग द्वारा स्पेशल अभियान चलाया गया। मई, जून और जुलाई 2023 में सीजीएसटी लखनऊ की विशेष अखिल भारतीय टीम ने अभियान चलाकर इस पूरी मुहिम का पर्दाफाश किया हैं। सीजीएसटी, लखनऊ के अधिकार क्षेत्र के तहत लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, शाहजहाँपुर, सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी, गोंडा, बलरामपुर, बहराईच और श्रावस्ती जिलों में पंजीकृत 647 फर्मों के पते पर फिजिकल वेरिफिकेशन यानी भौतिक सत्यापन किया गया। अभियान के दौरान 131 कागजी फर्म मिली। जिन्होंने फर्जी नाम पर और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके जीएसटी पंजीकरण लिया था। जबकि कुछ फर्मों ने कुछ अन्य व्यक्तियों के पैन का उपयोग करके धोखाधड़ी से जीएसटी पंजीकरण लिया था। कुछ ने जाली किराया समझौते या बिजली बिल और ऐसे पते का उल्लेख किया था जो वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं थे। इन 131 फर्जी से करीब 1100 प्राप्तकर्ता फर्मों से 1355.74 करोड़ रुपये की वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति दिखाई गई लेकिन ये आपूर्ति वास्तव में नहीं हुई थी। इनमें शामिल ज्यादा कम्पनियां उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली राज्यों में स्थित हैं। इन नकली आपूर्तियों में दिखाई गई प्रमुख वस्तुए वेस्टएवं स्क्रैप, प्लाईवुड और विनियर हैं। जीएसटी के इरादे से इन फर्म को 197.20 करोड़ के इनपुट टैक्स का लाभ देने के लिए इन फर्जी आपूर्ति को रिकॉर्ड में दिखाया गया था। इन सभी फर्जी फर्म के जीएसटी पंजीकरण को रद्द कर दिया गया है और इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए उनके क्रेडिट लेजर में उपलब्ध 21 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोक दिया गया हैं।

शादी के 5 महीने बाद कैप्टन अंशुमान सिंह शहीद,घर में मातम पसरा

संवाददाता

लखनऊ। सियाचिन ग्लेशियर में बुधवार तड़के साढ़े तीन बजे भारतीय सेना के कई टेंट में आग लग गई। हादसे में रेजिमेंटल मेडिकल ऑफिसर कैप्टन अंशुमान सिंह शहीद हो गए। अंशुमान सिंह की 5 महीने पहले 10 फरवरी को शादी हुई थी। कैप्टन अंशुमान 15 दिन पहले ही सियाचिन गए थे। अंशुमान मूल रूप से देवरिया के रहने वाले थे। लखनऊ के पारा मोहान रोड स्थित जिस घर में कैप्टन अंशुमान सिंह की शादी की शहनाई गूंजी थी, वहां गुरुवार को मातम पसर गया। बुधवार सुबह सेना की मेडिकल कोर और कमांड अस्पताल के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी अंशुमान सिंह के घर पहुंचे। उन्होंने पिता रवि प्रताप सिंह को कैप्टन अंशुमान सिंह के शहीद होने की खबर दी। शहादत की खबर मिलते ही उनके परिचितों और रिश्तेदारों का घर पहुंचना शुरू हो गया। बेहाल मां मंजू सिंह के आंसू नहीं रुक रहे हैं। कैप्टन अंशुमान के चाचा सहित परिवार के कई सदस्य सेना में विभिन्न पदों पर तैनात रहे हैं। अंशुमान सिंह की पत्नी इंजीनियर सृष्टि सिंह पठानकोट की रहने वाली हैं।

वह नोएडा में रहकर एक मल्टी नेशनल कंपनी में काम करती हैं। अंशुमान के लखनऊ वाले घर में उनके पिता रवि प्रताप सिंह, मां मंजू सिंह, बहन तान्या सिंह और भाई घनश्याम सिंह रहते हैं। देवरिया के लार थाना क्षेत्र के बरडीहा दलपत में उनके दादा और चाचा रहते हैं। शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह के रिश्तेदार अजीत सिंह ने बताया कि पहले सूचना मिली कि विशेष विमान से पार्थिव शरीर लखनऊ एयरपोर्ट आएगा। सभी रिश्तेदार और नजदीकी लोग लखनऊ पहुंच गए थे। बाद में खबर आई कि गोरखपुर एयरपोर्ट पर पार्थिव शरीर आएगा। उनका अंतिम संस्कार देवरिया के पैतृक गांव में होगा। पढ़ाई के बाद अंशुमान का चयन आर्मर्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज पुणे में हो गया।

वहां से एमबीबीएस करने के बाद कैप्टन अंशुमान सिंह सेना की मेडिकल कोर में शामिल हुए। पत्नी स्मृति पेशे से इंजीनियर हैं और उनके माता–पिता स्कूल के प्रधानाचार्य हैं। आगरा मिलिट्री हॉस्पिटल में ट्रेनिंग के बाद वहीं अंशुमान की तैनाती हो गई थी। पिछले दिनों कश्मीर के पुंछ सेक्टर में तैनात एक बटालियन के वह मेडिकल आफिसर बने। वहां से 15 दिन पहले ही सियाचिन गए थे। उनके पिता रवि प्रताप सिंह सेना में जेसीओ थे।

कैप्टन अंशुमान सिंह की मां मंजू सिंह के अलावा भाई घनश्याम सिंह और बहन तान्या सिंह हैं। दोनों ही नोएडा में डॉक्टर हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शहीद अंशुमान सिंह को श्रद्धांजलि दी है। योगी ने शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की है। उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, जिले की एक सड़क का नामकरण शहीद अंशुमान सिंह के नाम पर करने की भी घोषणा की है।

हजरत उमर रसूले पाक की मुराद थेः खालिद रशीद

संवाददाता

लखनऊ। मुहर्रम का महीना निहायत अजमत वाला महीना है। इसके फजीलत व बरकत में बहुत सी हदीस शरीफ हैं। इस माहे मुबारक में पेश आने वाले वाकिआत और फजीलतों से आम लोगों को वाकिफ कराना जरूरी है। इसी लिए यहॉ दस दिवसीय जलसे आयोजित होते हैं। इनसे हाजिरीन के इल्म में इजाफा होता है। वह सुन्नतों से वाकिफ होते हैं, बिदातों और खिलाफे शरीअत रस्म व रिवाजों से दूर होते हैं। इन ख्यालात का इज्हार नाजिम दारूल उूलम फरंगी महल मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने किया। वह आज दारूल उलूम फरंगी महल में इस्लामिक सेन्टर के अर्न्तगत दस दिवसीय जलसे ''शुहादा–ए–दीन–हक व इस्लाह–ए–मुआशरा'' के तहत पहले जलसे को खिताब कर रहे थे। मौलाना फरंगी महली ने हजरत उमर फारूक की सीरत बयान करते हुए कहा कि दूसरे खलीफा हजरत उमर फारूक रजि0 ने हुकूमत के निजाम को सही रखने के बेमिसाल और अपनाने योग्य कदम उठाये। आप रजि0 का हुकूमत करने का तौर तरीका दुनिया के तमाम हुकूमत करने वालों के लिए एक उदाहरण है। आज भी दुनिया के किसी हिस्से में फारूकी तौर तरीके पर अमल हो जाए तो वह हिस्सा जमीन में रश्क करने के योग्य बन जाए। वहाँ के लोग इस्लाम की तमाम बरकतों से लाभ उठा सकेंगें। मौलाना ने कहा कि तमाम सहाबाक्राम आप सल्ल0 के मुरीद थे और हजरत उमर रजि0 आप सल्ल0 की मुराद थे। मौलाना फरंगी महली ने मुसलमानों से अपील की कि वह सहाबा क्राम की पाक जिन्दगियों को अपना नमूना बनाये और एक स्वच्छ समाज के निर्माण और स्थापना में अपना प्रभावशाली और महत्वपूर्ण योगदान दें। जलसे का आरम्भ दारून उलूम निजामिया फरंगी महल के उस्ताद क़ारी अब्दुल मुगीस की तिलावत कलाम पाक से हुआ।जलसे का संचालन मौलाना हारून निजामी ने किया और जलसा का अंत मौलाना खालिद रशीद की दुआ पर हुआ।

यूपी में बारिश के बाद पड़ रही भीषण गर्मी, 28 जुलाई से फिर सक्रिय होगा मानसून

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश का सिलसिला अब थम गया है। लेकिन जहां हुई भारी बारिश ने पूरे प्रदेश में तबाही मचा दी। प्रदेश के लगभग 10 जिले बाढ़ से प्रभावित है।

बाढ़ की वजह से लोगों का जीवन तहस नहस हो गया है, जान और माल का भारी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक कई इलाकों में बारिश थमने के बाद धूप निकल रही है और उमस भरी गर्मी लोगों के पसीने निकाल रही है। वहीं, आज कई इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके बाद 28 जुलाई से प्रदेश में मानसून फिर सक्रिय होगा। बता दें कि प्रदेश में पिछले कई दिनों से हुई बारिश से नदियों में उफान आ गया है। नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ता गया। अब प्रदेश में भारी बारिश का सिलसिला थम गया है और उमस भरी गर्मी का सिलसिला शुरू हो गया। दरअसल दक्षिणी भाग की ओर चक्रवाती हवाओं का असर कम हो गया है। मानसून ट्रफ की वजह से प्रदेश में बारिश की रफ्तार अब थम गई है। इसी वजह से ही मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक वीरवार को भी प्रदेश में कई जगहों पर हल्की बारिश हुई। आज भी पश्चिमी यूपी और पूर्वी यूपी के कुछ इलाकों में छिटपुट बारिश की ही संभावना जताई गई है। पश्चिमी यूपी में 23 जुलाई से फिर से बरसात शुरू होगी। 23, 24, 25 जुलाई को पश्चिमी यूपी के कुछ एक स्थानों पर बारिश की बौछारें पड़ने की संभावना है लेकिन इस वजह से तापमान में कोई खास बदलाव नहीं देखने को मिलेगा। इसके बाद 28 जुलाई से प्रदेश में फिर से मानसून सक्रिय होगा। विभाग के मुताबिक आज सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर. झांसी महोबा, ललितपुर जनपदों में एक दो जगहों पर हल्की–फुल्की बारिश होगी।

कैंसर से लड़ने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी वेरियन की एज प्रणाली

संवाददाता

लखनऊ। कैंसर देखभाल की दुनिया अविश्वसनीय गति से विकसित हो रही हैं, जो भारत में स्वास्थ्य देखभाल के लिए चुनौतियां और अवसर दोनों पेश कर रही है। जैसे–जैसे प्रभावी कैंसर उपचार की मांग बढ़ती जा रही है, परिदृश्य को नया आकार देने और रोगियों के लिए बेहतर परिणाम प्रदान करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों की शक्ति का उपयोग करना महत्वपूर्ण है ऐसी ही एक तकनीक है रेडिएशन थेरेपी जिसने उल्लेखनीय प्रगति देखी है सटीक और लक्षित उपचारों के साथ जो दुष्प्रभावों को कम करते हुए प्रभावशीलता को अधिकतम करते हैं और रोगी के आराम को बढ़ाते हैं, आरटी कैंसर से लड़ने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। वेरियन की एज प्रणाली एक नवीन तकनीक है जिसे विभिन्न प्रकार के कैंसर रोगियों के लिए उन्नत इमेजिंग क्षमताएं और उपचार वितरण उपकरण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस प्रणाली का उपयोग बाहरी बीम थेरेपी सहित रेडियो–सर्जिकल उपचार और विकिरण चिकित्सा दोनों के लिए किया जा सकता है। यह बड़े और छोटे आकार और विभिन्न स्थानीयकरण और आकार के ट्यूमर से निपटने के लिए समान रूप से प्रभावी है।

सटीकता, लचीलापन और दक्षता प्रदान करते हुए, प्रौद्योगिकी प्रभावी नैदानिक देखभाल सुनिश्चित करती है, संभावित रूप से रेडियोथेरेपी की पहुंच का विस्तार करती है। यह उपकरण कई प्रणालियों का उपयोग करके रोगी की स्थिति और उसके आंदोलनों में बदलाव को भी ध्यान में रखता है जो विकिरण की सटीकता की निगरानी करता है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।